एमपी ने विश्व को बताया हिंदी का महत्व

हिंदी दिवस.... रवीन्द्र भवन में भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान में मंत्री परमार ने कहा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 14 सितंबर. हिंदी दिवस पर रविवार को रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में दो दिवसीय भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि बतौर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश ही वह राज्य है, जहाँ से इस मिथक को तोड़ा गया कि चिकित्सा और तकनीक जैसे विषयों की पढ़ाई 'हिंदी' में नहीं हो सकती. मध्यप्रदेश ने विश्व को ये दिखाया कि चिकित्सा और तकनीक शिक्षा के क्षेत्र में हिन्दी भाषा से अध्ययन संभव है.

संस्कृति संचालनालय, वीर भारत न्यास और माधवराव सप्रे संग्रहालय के साझा आयोजन के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता गुजरात साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री विष्णु पंडया ने की. शुभारंभ सत्र के बाद विभिन्न भारतीय भाषाओं और हिंदी के बीच अंतरसंबंध पर विमर्श तथा दूसरे सत्र में 'भारतीय भाषा एवं प्रौद्योगिकी' विषय पर व्याख्यान हुआ.

मंत्री परमार ने कहा कि भाषाएँ आपस में एक दूसरे को जोड़ती हैं यह संदेश मध्यप्रदेश की धरती से देश ही नहीं दुनिया में इस अनुष्ठान के माध्यम से जायेगा. उन्होंने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में भारतीय भाषाएँ पढ़ाई जाएंगी. इसमें से किसी एक भारतीय भाषा को पढ़ना विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा.

इसके पीछे सरकार की मंशा यह है कि इससे भाषायी सौहार्द तो पैदा हो ही साथ ही हमारे प्रदेश के विद्यार्थी जब दूसरे प्रदेशों में जायें तो उस प्रदेश की भाषा के बल पर आसानी से अपना कौशल विकसित कर लें.

सप्रे संग्रहालय के संस्थापक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि अपनी भाषा पर अभिमान सब भाषाओं का सम्मान है, इस उद्घोष के साथ यह अनुष्ठान हो रहा है.

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में हुई परिचर्चा

भोपाल, 14 सितंबर. हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल के हिन्दी विभाग द्वारा हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई. कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगुरु देवआनंद हिंडोलिया, कुलसचिव शैलेन्द्र जैन, हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव कुमार गुप्ता द्वारा मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया. इस अवसर पर कुलगुरु हिंडोलिया ने कहा कि सन 1953 में पहली बार हिंदी दिवस मनाने से लेकर आज वर्तमान तक हिंदी एक वैश्विक भाषा बनकर उभरी है. चूंकि हिंदी विश्वविद्यालय देश में हिंदी का प्रतिनिधित्व कर रहा है अतः ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसका सम्मान करते हुए इसे अधिक से अधिक बढ़ावा दें. कार्यक्रम में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों द्वारा अतीत में हिंदी के क्षेत्र में किए गए कार्य एवं प्रयासों की चर्चा करते हुए हिंदी के संबंध में भविष्य की कार्य योजना पर प्रकाश डाला गया. विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की शिक्षक डॉ. अनीता चौबे ने किया. हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी सप्ताह के अंतर्गत 14 से 19 सितंबर तक प्रतिदिन एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा.

15 चिकित्सकों का सम्मान

एलएन मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन अपडेट कॉन्फ्रेंस

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 14 सितम्बर. एलएन मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन अपडेट कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेशभर से आए पांच सौ से अधिक वरिष्ठ चिकित्सक, विशेषज्ञ और विद्यार्थी शामिल हुए। सम्मेलन का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे नवीनतम शोध व तकनीकी विकास को साझा करना रहा.

मुख्य अतिथि के रूप में दर्शन सिंह चौधरी मौजूद रहे जबकि विधायक रमेश्वर शर्मा, अनुपम चौकसे और धर्मेन्द्र गुप्ता विशिष्ट अतिथि रहे. अतिथियों ने चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को जनहित में आवश्यक बताया.

कार्यक्रम में 15 प्रतिष्ठित चिकित्सकों को सम्मानित किया गया. डॉ एच त्रिवेदी, डॉ एम के जैन, डॉ अपूर्व पुराणिक, डॉ डी के सतपाठी, डॉ टी एन दुबे और डॉ पी सी मनोरिया को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला. मास्टर टीचर अवार्ड से डॉ राजीव गुप्ता, डॉ वी पी पांडे, डॉ वी एन मिश्रा, डॉ सिम्मी दुबे, डॉ विजय गर्ग, डॉ अनुराग चौरसिया और डॉ एस के दीवान को सम्मानित किया गया. वहीं कम्युनिटी सर्विस अवार्ड डॉ संजय धवले, डॉ रंजीत बडोले, डॉ राजेश अग्रवाल और डॉ उमेश मसंद को प्रदान किया गया.

भाई-बहन के रिश्तों को मजबूत करता है उपहार

नानी बाई रो मायरो कथा का समापन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 14 सितम्बर. प्रख्यात कथावाचक विदुषी पूजा जोशी ने रविवार को नानी बाई रो मायरो कथा में मिठास भर दी. यह आयोजन यशोदा प्रीविलेज में पितृपक्ष में किया गया. कार्यक्रम की मुख्य यजमान प्राची मूंदड़ा ने बताया कि पितृ पक्ष के समय में श्रीकृष्ण की कथा सुनना शुभ माना जाता है, इसीलिए यह आयोजन हर वर्ष की भांति इस बार भी किया गया है.

उन्होंने बताया कि आयोजन माहेश्वरी समाज द्वारा किया गया है, जो कि पिछले दो दिनों से चल रहा था. जिसका समापन रविवार को हुआ. कथा में कथावाचक पूजा जोशी ने मारवाड़ी भाषा में सांवरिया और भक्त नरसिंह जी के अनछुए प्रसंग को जीवन से जोड़ते हुए व्याख्या कर सरलता और विश्वास के साथ जीने की राह बताई. इसके साथ ही उन्होंने मायरो परंपरा से जुड़ी हुई कथा भी सुनाई. उन्होंने बताया कि बहन के बच्चों की शादी होने पर ननिहाल पक्ष से अपनी बहन को उपहार स्वरूप कपड़े, गहने, नकदी और अन्य सामान भेंट की जाती है. जो कि बहन और भाई के रिश्तों को मजबूत करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से बहन के परिवार के प्रति सम्मान और प्रेम व्यक्त किया जाता है. इस रस्म को भात भरना भी कहते हैं.

मेघालय राजभवन में काव्यपाठ करेंगे कवि राकेश दांगी

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 14 सितम्बर. मध्यप्रदेश के ओज रस के प्रसिद्ध कवि राकेश दांगी 16 सितंबर को मेघालय राजभवन, शिलांग में आयोजित अखिल भारतीय काव्य गोष्ठी में काव्यपाठ करेंगे. यह आयोजन केंद्रीय हिंदी संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र शिलांग और राजभवन शिलांग के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी मास के अंतर्गत पहली बार हो रहा है. कार्यक्रम में मेघालय के राज्यपाल सी.एच. विजयशंकर मुख्य अतिथि होंगे तथा अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी करेंगे. संयोजक की भूमिका प्रो. पार्थ सारथी पाण्डेय निभाएंगे.

केलकर ने छात्र शक्ति को राष्ट्रशक्ति में बदला

प्रो. केलकर की जन्मशती पर अभाविप के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा

भोपाल, 14 सितंबर. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भोपाल महानगर द्वारा अभाविप के प्रख्यात शिल्पकार प्रो. यशवंतराव केलकर की जन्मशती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम प्रिय केलकर जी का आयोजन रजत जयंती सभागृह, पं. खुलीलाल शर्मा आयुर्वेदिक महाविद्यालय, भोपाल में किया गया. कार्यक्रम में प्रो. यशवंतराव केलकर की जीवन गाथा का मंचीय अभिवाचन प्रस्तुति भी की गई.

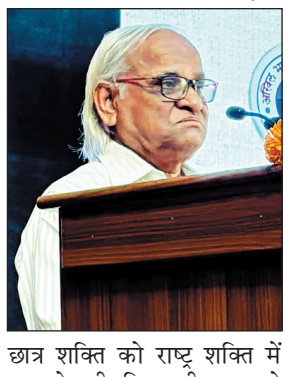

सुरेश गुप्ता (पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अभाविप) ने कहा कि प्रो. केलकर प्रत्येक कार्यकर्ता की संपूर्ण जानकारी रखते थे. उन्होंने छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति में बदलने की दिशा दी. गुप्ता ने बताया कि 1967 के अधिवेशन में शोभायात्रा में बग्गी के प्रयोग को बदलने का उदाहरण प्रस्तुत किया, जिससे आज राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मंत्री शोभायात्रा में सभी के साथ चल रहे हैं.

चेतस सुखाड़िया (क्षेत्रीय संगठन मंत्री, अभाविप) ने कहा कि प्रो. यशवंतराव केलकर ने अभाविप की आभा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया. वे कथनी और करनी में पूर्णतया एकरूप थे. उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज के विभेद से ऊपर उठकर कार्य करना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है. केलकर जी कार्यकर्ताओं को एक-दूसरे के घर जाकर पारस्परिकता विकसित करने की प्रेरणा देते थे, जिससे संगठन और कार्यकर्ता दोनों का विकास संभव हो. चेतस सुखाड़िया ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी ने केलकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि अभाविप का जीवन और प्रो. यशवंतराव केलकर जी का जीवन एक समान है.

डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया

लोक निर्माण से लोक कल्याण

अभियंता दिवस समारोह 2025

के अवसर पर

उच्च गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य हेतु

पुरस्कार वितरण

एवं

लोक निर्माण सर्वेक्षण ऐप, न्यूज लेटर एवं

लोक परियोजना प्रबंधन प्रणाली का

★ शुभारंभ ★

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

15 सितम्बर 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे । कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार, भोपाल

पुरस्कार वितरण

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया पुरस्कार/विश्वकर्मा पुरस्कार/विक्रमादित्य पुरस्कार एवं रानी दुर्गावती पर्यावरण हितैषी पुरस्कार

लोक परियोजना प्रबंधन प्रणाली सिस्टम

बजट स्वीकृति, टेंडरिंग कांट्रैक्टिंग, वर्क एग्जीक्यूशन, क्वालिटी मॉनिटरिंग और परफॉर्मेंस गारंटी जैसी गतिविधियां ऑनलाइन होंगी

लोक निर्माण सर्वेक्षण ऐप

सड़क, पुल एवं भवनों का जीआईएस आधारित सर्वेक्षण जैसी गतिविधियां संपादित होंगी

D11100/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश शासन